No. of Printed Pages : **4**

एम.एच.डी.-2

09329

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** काव्यांशों की व्याख्या कीजिए : **12x3=36**

(क) चर्चा हमारी भी कभी संसार में सर्वत्र थी,
वह सद्गुणों की कीर्ति मानो एक और कलत्र थी।
इस दुर्दशा का स्वप्न में भी क्या हमें कुछ ध्यान था?
क्या इस पतन ही को हमारा वह अतुल उत्थान था?
उन्नत रहा होगा कभी जो हो रहा अवनत अभी,
जो हो रहा उन्नत अभी, अवनत रहा होगा कभी।
हँसते प्रथम जो पद्म हैं, तम-पंक में फँसते वही,
मुरझे पड़े रहते कुमुद जो अंत में हँसते वही।।

(ख) विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी-स्नेह-स्वप्न-मग्न-
अमल-कोमल-तनु तरुणी-जुही की कली,
दृग बन्द किये, शिथिल-पत्राङ्क में,
वासन्ती निशा थी;
विरह-विधुर-प्रिया-संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल।
आयी याद बिछुड़न से मिलन की वह मधुर बात,
आयी याद चांदनी की धुली हुई आधी रात,
आयी याद कान्ता की कम्पित कमनीय गात,
फिर क्या? पवन
उपवन-सर-सरित गहन-गिरि-कानन
कुञ्ज-लता-पुञ्जों को पार कर
पहंचा जहाँ उसने की केलि
कली-खिली-साथ।

(ग) खड़ी हो गई चाँपकर कंकालों की हूक
नभ में विपुल विराट-सी शासन की बंदूक

उस हिटलरी गुमान पर सभी रहे हैं थक
जिसमें कानी हो गई शासन की बंदूक

बढ़ी बधिरता दसगुनी, बने विनोबा मूक
धन्य-धन्य वह, धन्य वह, शासन की बंदूक

सत्य स्वयं घायल हुआ, गई अहिंसा चूक
जहाँ-तहाँ दगने लगी शासन की बंदूक

जली ठूँठ पर बैठकर गई कोकिला कूक
बाल न बाँका कर सकी शासन की बंदूक।

(घ) एक आदमी
रोटी बेलता है
एक आदमी रोटी खाता है
एक तीसरा आदमी भी है
जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है।
वह सिर्फ़ रोटी से खेलता है
मैं पूछता हूँ -
'यह तीसरा आदमी कौन है?'
मेरे देश की संसद मौन है।

2. आधुनिक हिंदी कविता में स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरण का प्रस्फुटन किस रूप में हुआ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 16

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की कविता की प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए।

3. छायावादी काव्य की उत्कृष्ट अभिव्यक्ति के रूप में निराला के काव्य की समीक्षा कीजिए। 16

अथवा

महादेवी की काव्य-संवेदना की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

4. रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं में प्रस्फुटित राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना पर विचार कीजिए। 16

अथवा

मुक्तिबोध के काव्य-शिल्प की समीक्षा कीजिए।

5. आधुनिक भावबोध के प्रतिनिधि कवि के रूप में अज्ञेय का मूल्यांकन कीजिए। 16

अथवा

रघुवीर सहाय की कविताएँ समकालीन यथार्थ से किस प्रकार रू-ब-रू होती हैं? स्पष्ट कीजिए।